सुविचार

विश्वास वो ताकत है, जो उजड़ी हुई जिंदगी में भी रोशनी भर देती है!

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

संपादक-नागेश नरवरिया

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

YP24 NEWS
FREEDOM OF SPEECH
जिला एवं तहसील में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 21 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 28 जून 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

म्युचुअल अंडरस्टैंडिंग पर बच्चा गोद लेना और देना कितना बड़ा अपराध है, जानिए JJ Act,2015

अधिनियम के अध्याय 8 में दत्तक ग्रहण संबंधित कुछ नियम बताए गए हैं जैसे कि बालकों को किस दशा में गोद लिया जा सकता है। गोद लेने वाले माता-पिता दोनों की सहमति आवश्यक है। किसी अन्य परिस्थिति में माता स्वंय एकल दत्तक ग्रहण कर सकती है लेकिन किसी भी पुरूष एकल को बालक गोद नहीं दिया जाएगा। अधिनियम के अनुसार अगर कोई व्यक्ति बाल कल्याण समिति के सिवाय (छोड़कर) बालक गोद लेता है तब उसे विधिक प्रक्रिया अपनाना आवश्यक है, अन्यथा दत्तक ग्रहण प्रक्रिया अमान्य होगी अगर कोई बालक गोद लेने वाले व्यक्ति दत्तक ग्रहण का विधिक पालन नहीं करता है तब उन पर क्या कार्यवाही हो सकती है जानिए।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)
9827737665

किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 80 की परिभाषा

यदि कोई व्यक्ति या कोई संस्था, संगठन, किसी अनाथ बालक को, लावारिस बालक को या बाल कल्याण संस्था में छोड़े बालक को या कोई व्यक्ति अन्य व्यक्तिगत प्रक्रिया से विधिक नियमों को उल्लंघन बालक को गोद देता है या बिना विधिक प्रक्रिया के कोई व्यक्ति बालक को गोद लेता है तब ऐसे व्यक्ति को या संगठन को अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या एक लाख रुपए जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

विशेष नोट- यह धारा दत्तक पुत्र देने वाले व्यक्ति पर एवं दत्तक पुत्र लेने वाले व्यक्ति पर दोनों पर लागू होगी। Notice: this is the copyright protected post. do not try to copy of this article).

शपथ पत्र को साक्ष्य के रूप में कब स्वीकार करेंगे कब नहीं जानिए/legal advice....

हमने आपको पिछले लेख में बताया था की शपथ पत्र दो प्रकार के होते हैं न्यायिक एवं गैर न्यायिक। न्यायिक शपथ पत्र को न्यायालय की कार्यवाही में किसी लम्बित मामलों में या विचारण के समय में प्रस्तुत किया जाता है। ऐसे में न्यायालय कब न्यायिक शपथ-पत्र की किसी बात को साबित करने के लिए आदेश देने की शक्ति रखता है जानिए।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)
9827737665

सिविल प्रक्रिया संहिता,1908 का आदेश क्रमांक 19 के नियम 01 की परिभाषा

कोई भी न्यायालय किसी भी वाद के विचारण के दौरान किसी भी तथ्य को शपथ पत्र के माध्यम से सिद्ध करने के लिए कह सकती है। परन्तु अगर न्यायालय चाहे तो शपथ पत्र देने वाले पक्षकार की प्रतिपरीक्षा या पुनः परीक्षा के लिए उपस्थित करवा सकता है।

नोट- मध्यप्रदेश राज्य संशोधन नियम 1(क) - कुछ मामलों में शपथ पत्र के माध्यम से तथ्यों एवं बातों को सिद्ध नहीं किया जा सकता है, क्योंकि किसी भी साक्षी के साक्ष्य की सत्यता परखने के लिए विपक्षी को प्रतिपरीक्षा करने का कानूनी अधिकार प्राप्त है। Notice: this is the copyright protected post. do not try to copy of this article).

इंदौर में ट्रक ने एक्टिवा को लिया चपेट में, देवास निवासी डॉक्टर की मौत

देवास। देवास की युवती की इंदौर में सड़क हादसे में मौत हो गई। युवती का नाम 29 वर्षीय अनामिका पुत्री अनोखीलाल निवासी राधागंज है। गुरुवार सुबह वह एक्टिवा से इंदौर जा रही थी। सेंटर पाइंट पर ट्रक ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक युवती डाक्टर थी। उसका इंदौर में क्लीनिक था। वह भाई के साथ इंदौर में ही रहती थी। सप्ताह में एक बार माता-पिता से मिलने देवास आती और रात यहां रुककर अगले दिन इंदौर चली जाती। बुधवार शाम को वह इंदौर से देवास आई थी। रातभर माता-पिता के साथ रुकीं गुरुवार सुबह एक्टिवा से इंदौर के लिए निकलीं।

छात्रवृत्ति से संबंधित लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रकिया के सरलीकरण के लिए बनेगी टॉस्क फोर्स

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अनुसूचित जाति -जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग की छात्रवृत्ति से संबंधित विगत वर्ष के लंबित प्रकरणों का कार्य योजना बनाकर तत्काल निराकरण किया जाए। विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्त करने में कोई परेशानी न हो। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए छात्रवृत्ति में आवेदन के सत्यपान, पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन और छात्रवृत्ति वितरण की समय सीमा निर्धारित की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी, जिला लोक सेवा प्रबंधक और लीड बैंक मैनेजर आवश्यक समन्वय सुनिश्चित कर जिला स्तर पर अभियान चलाए जिससे छात्रों को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में समस्या न हो। इसके साथ ही छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे अपात्र विद्यार्थियों का परीक्षण शिक्षण संस्थावार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव महाविद्यालय और शाला स्तर पर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप-मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा उपस्थित थी।

प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था हो: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया का सरलीकरण आवश्यक है। अन्य राज्यों में जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए बनाई जा रही प्रक्रिया का अध्ययन कर सामान्य प्रशासन विभाग अन्य संबंधित विभागों की टॉस्क फोर्स बनाकर कर प्रकिया के सरलीकरण के लिए तत्काल कार्रवाई करें। इसके साथ ही सभी व्यवसायिक व प्रतियोगी परीक्षाओं में अनुसूचित जाति जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी उपलब्धियाँ अर्जित करें, इस उद्देश्य से प्रभावी कार्य योजना बनाई बनाई जाए। बैगा, भारिया और सहरिया जनजाति के युवाओं की होमगार्ड तथा पुलिस में भर्ती को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए।

शिक्षा पोर्टल से हो रही है 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृत्ति की स्वीकृति और उनका वितरण: शिक्षा पोर्टल से 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृत्ति की स्वीकृति प्रदान की जाकर वितरण किया जा रहा है। वर्ष 2023-24 में 64 लाख विद्यार्थियों को लगभग 330 करोड़ की छात्रवृत्ति का वितरण किया गया। वर्ष 2024-25 में अब तक 92 लाख नामंकन हो चुके हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव मो.सुलेमान, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री अजीत केसरी, श्री केसी गुप्ता, प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी, डॉ. ई रमेश कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ये जीत रुला देने वाली है फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

तो विराट कोहली से मिलते ही रोहित शर्मा के छलके आंसू

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में रोहित शर्मा के शानदार अर्धशतक और स्पीनर्स की फिरकी की बदौलत टीम इंडिया ने फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 2022 में इंग्लैंड से सेमीफाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया। वहीं, इस जीत के बाद कप्तान रोहित शर्मा काफी भावुक नजर आए। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इस मैच में रोहित शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए दो छक्कों और चार चौकों की मदद से 39 गेंद में 57 रन बनाए। साथ ही उन्होंने सूर्यकुमार यादव (47) के साथ तीसरे विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी की। इसके बाद पर टीम इंडिया 171 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में कामयाब रही।

स्पिनर्स के जादू में फंसे अंग्रेज: पूरे मैच में गेंदबाजों का दबदबा दिखा। कुलदीप यादव ने जहां 19 रन देकर तीन विकेट झटके तो वहीं, अक्षर पटेल ने 23 रन देकर तीन बल्लेबाजों को पवेलियन पहुंचाया। जसप्रीत बुमराह ने 2.4 ओवर में 12 रन देकर दो विकेट चटकाए। इंग्लैंड की ओर से कप्तान जोस बटलर (23), हैरी ब्रूक (25), जोफ्रा आर्चर (21) और लियाम लिविंगस्टोन (11) ही दहाई के आंकड़े को छू सके।

अक्षर पटेल ने दिलाई पहली सफलता: भारतीय गेंदबाजी की शुरुआत अर्शदीप सिंह ने की, लेकिन उनके दूसरे ही ओवर में बटलर ने तीन चौकां के दम पर 19 रन जड़ दिए। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा ने अक्षर पटेल को गेंद थमाई, जिन्होंने कप्तान की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए अपने पहले ही ओवर में बटलर को चलता कर भारत को पहली सफलता दिला दी। वहीं, बुमराह ने फिल सॉल्ट (05) को बोल्ड कर दूसरा विकेट लिया।

103 रन पर ऑलआउट हुई टीम: अक्षर ने अपने दूसरे ओवर में जॉनी बेयरस्टो शून्य के स्कोर पर आउट कर दिया और पावर प्ले में ही इंग्लैंड अपने तीन विकेट गंवाकर 39 रन का स्कोर ही खड़ा कर सकी।

इंदौर लिवर प्रत्यारोपण मामला

पिता ने मैदान में दी थी प्रतिद्वंद्वियों को पटकनी तो बेटी सिस्टम से भिड़ गई

इंदौर। कहते हैं न माता-पिता का हुनर और हिम्मत हमेशा बच्चों में देखी जा सकती है। जो चीजें बचपन से हम अपने घर पर देखते हैं, वहीं सीखते हैं। इस बात को सच कर दिखाया है, इंदौर के पास बेटमा की रहने वाली नाबालिग बेटी प्रीति ने। पहलवान पिता लिवर सिरोसिस से पीड़ित हैं। डॉक्टरों ने उन्हें प्रत्यारोपण के लिए कहा है। इस पर उन्होंने पहले तो लिवर देने के लिए परिवार के बड़ों से कहा, लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ। पत्नी स्वास्थ्यगत कारणों से लिवर देने में सक्षम नहीं हैं। इस पर नाबालिग बेटी ने अपने पिता की जान बचाने की ठानी, लेकिन उम्र बाधा बन गई।

आज संसद में विपक्ष उठाएगा NEET परीक्षा धांधली का मामला, सरकार को घेरने की होगी कोशिश

इंदौर। नीट परीक्षा धांधली के मुद्दे पर विपक्ष की कोशिश है कि सरकार को हर अवसर पर घेरा जाए। ऐसे में 18वीं लोकसभा के पहले कार्य दिवस के दिन इस मुद्दे पर संसद में शुक्रवार को घमासान मचने के आसार हैं। विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए ने फैसला किया है कि नीट परीक्षा धांधली मामले में दोनों सदनों में कार्यस्थगन प्रस्ताव लाया जाए। राज्यसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में विपक्षी दलों की बैठक हुई। इसमें विपक्ष के सभी नेताओं ने माना कि नीट परीक्षा धांधली मामला बहुत ही गंभीर मुद्दा है, जिससे छात्रों का जीवन खतरे में पड़ गया है। ऐसे में एक मजबूत विपक्ष होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि सरकार को कठघरे में खड़ा किया जाए। यह सरकार की विफलता है, इसलिए उसको जवाब देना चाहिए। विपक्ष केवल नीट के मामले के सहारे सरकार को नहीं घेरेगा। वह बेरोजगारी, महंगाई, राज्यों के वित्तीय अधिकारों पर हमला, सीबीआई, ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों का विपक्ष के खिलाफ दुरुपयोग सहित कई मुद्दे उठाएगा। विपक्ष इन मुद्दों के जरिए यह दिखाना चाहता है कि उसके पास सरकार को घेरने के लिए तरकश में कई तीर हैं।

सरकार की नीट मामले में तय करनी होगी जिम्मेदारी

कांग्रेस अध्यक्ष के सरकारी आवास पर एकजुट हुए विपक्षी नेताओं के बीच लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि नीट मामला बहुत ही गंभीर है। यह हमारे लाखों का छात्रों के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। ऐसे में सरकार को किसी भी कीमत पर इसकी जिम्मेदारी से भागने नहीं दे सकते हैं। उनकी जिम्मेदारी तय करनी होगी। राहुल गांधी के विचार से द्रमुक, समाजवादी, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी ने सहमति जताई। सभी विपक्षी नेताओं ने एकजुट से यह निर्णय लिया कि नीट पर कार्यस्थगन प्रस्ताव लाया जाएगा।

भारी बारिश के कारण दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1 की छत ढही, 1 की मौत

फ्लाइट्स रोकी, जलजमाव के कारण मेट्रो स्टेशन बंद

एजेंसी, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बीती रात और शुक्रवार सुबह भारी बारिश हुई। इससे कई इलाके जलमग्न हो गए। कई स्थानों पर कारें पानी में डूबी नजर आईं। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 पर छत का एक हिस्सा ढहने से 8 लोग घायल हो गए। 1 की मौत की सूचना है। यहां कुछ कारों को भी नुकसान पहुंचा है। एनडीआरएफ के अधिकारी दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर मौजूद हैं। हादसे के बाद टर्मिनल-1 से आने-जाने फ्लाइट्स को रद्द करना पड़ा है। डीजीसीए के अनुसार, एयरलाइंस को सलाह दी गई है कि वे यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानों से उनके गंतव्य तक पहुंचाएं या नियमों के तहत किराए की पूरी राशि रिफंड करें। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि वे स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। समाचार एजेंसी ANI के अनुसार, फायर सर्विस के अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1 की छत गिरने की सूचना मिली। आपात स्थिति से निपटने के लिए चार दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया।

फर्जी ट्रेडिंग वेबसाईट बना कर फ़ॉरेन करेंसी मे इनवेस्टमेंट कराने वाले गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

भोपाल रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

क्राईम ब्रान्च सायबर जिला भोपाल की टीम ने फर्जी ट्रेडिंग वेबसाईट बनाकर फ़ॉरेन करेंसी मे इनवेस्टमेंट कराने के नाम पर संगठित गिरोह के तीन आरोपीयों को इंदौर से गिरफ्तार कर सलाखो के पीछे भेज दिया। किराए के फ्लैट मे रहकर आरोपीयों द्वारा लोगो से ठगी की जाती थी। ये लोग ऑक्टा ट्रेडिंग नाम से फर्जी वेबसाईट बनाकर वेबसाईट पर फर्जी ट्रैड व मुनाफा दिखाकर । शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करने वाले ग्राहकों का नंबर ऑनलाइन निकालकर संपर्क करके फ़ॉरेन करेंसी मे इनवेस्टमेंट कराकर अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देते थे तथा आरोपी ठगी के लिये फर्जी बैंक खाते एवं मोबाइल नंबर का उपयोग करते थे। इनके द्वारा लगभग 100 लोगो से धोखाधडी करने के साक्ष्य मिले हैं । दिनांक 25 जून को भोपाल निवासी फरियादी द्वारा सायबर क्राइम भोपाल में लिखित आवेदन दिया गया कि अज्ञात व्यक्ति के मोबाईल नंबर पर ऑक्टा ट्रेडिंग वेबसाईट पर लिंक के माध्यम से डीमेट अकाउंट खोलकर आनलाइन फ़ॉरेन करंसी मे ट्रैडींग कराने का झांसा देकर विभिन्न बैंक खातों मे यूपीआई के माध्यम से

कुल 4,46,000 रूपये की धोखाधडी की गई। जाँच के आधार पर थाना क्राईम ब्रांच मे अपराध क्र.91/2024 धाराङ्क 420 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया। मामला गंभीरता से लेते हुये कार्यवाही प्रारंभ की गई । आरोपीयों के द्वारा फर्जी वेबसाइट ऑक्टा ट्रेडिंग नाम से बनाई गई । आरोपी शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करने वाले ग्राहकों का नंबर ऑनलाइन निकाल कर उन्हें फर्जी मोबाइल नंबर के माध्यम से संपर्क करते एवं ऑनलाइन फ़ॉरेन करेंसी में बल्क ट्रेडिंग करने के नाम पर ऑक्टा ट्रेडिंग वेबसाइट पर डिमैट अकाउंट खुलवाते जिसमे करेंसी में इन्वेस्टमेंट हेतु फर्जी ट्रैड कराये एवं दिखाएं जाते हैं। जिसमें खरीदने एवं बेचने का फर्ज़ी मुनाफा ऑक्टा ट्रेडिंग वेबसाइट पर ही ग्राहक के वॉलेट में दिखाया जाता था। तथा विभिन्न प्रकार के फ़ॉरेन ट्रैड के नाम पर लोगो से धोखाधडी की जाती थी। खाते में पैसा आने के बाद आरोपियों के द्वारा एटीएम से पैसा नगद निकाल लिया जाता है । सायबर क्राईम भोपाल की टीम ने कार्यवाही कर अपराध करने में उपयोग किये गये फर्जी वेबसाईट के वास्तविक उपयोगकर्ता की जानकारी प्राप्त कर आरोपी की पहचान करके फरियादी के साथ धोखाधडी में उपयोग किये गये बैंक खाते एवं मोबाईल नंबर के आधार पर गिरोह के अन्य आरोपीयों की पहचान की गई। जांच के आधार पर गिरोह के आरोपीयों को इंदौर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पिछले एक साल से ठगी धोखाधडी का कार्य कर रहे थे । आरोपीयों से अपराध में प्रयुक्त दो लैपटॉप , दो आईफोन मोबाईल, तीन एंड्रॉयड फोन , सात कीपेड मोबाईल जप्त किये गये हैं एवं अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हरियाली महोत्सव पर 12 लाख पौधे लगाए जाएंगे कलेक्टर ने दिए साप्ताहिक बैठक में पीडब्ल्यूडी को पौधारोपण के निर्देश

भोपाल रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक टीएल बैठक कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सिंह ने विभागवार टीएल के प्रकरणों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। हरियाली महोत्सव के अवसर पर आगामी 3 जुलाई को भोपाल में वृहद स्तर पर पौधारोपण का कार्य किया जाएगा, जिसमें लगभग 12 लाख पौधों का रोपण होगा। इस संबंध में संबंधित विभागों की तैयारियों की समीक्षा की और सभी को अपने लक्ष्य के अनुसार पौधारोपण करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी विभाग को अलग से जगह चिन्हित कर 'स्मॉल फारेस्ट' विकसित करने के निर्देश दिए। इसमें वृहद स्तर पर पीडब्ल्यूडी विभाग, कांट्रैक्टर्स, स्वयंसेवी संस्थाओं और अन्य विभागों के साथ मिलकर नीम, आम, बरगद, करंज आदि पौधों का रोपण किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि निजी स्कूलों की वार्षिक फीस, ड्रेस और किताबों को लेकर विशेष दुकानों के संबंध में अभिभावक किसी भी स्थिति में परेशान ना हों। इस संबंध में अभिभावकों द्वारा निरंतर शिकायतें प्राप्त होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को जाँच कर संबंधित निजी स्कूलों पर शख्त से शख्त कार्यवाई करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान समस्त एडीएम, एसडीएम एवं जिला प्रशासन के सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लोक निर्माण मंत्री ने निर्माणाधीन जीजी फ़्लाइओवर एवं जेपी अस्पताल में नवीन इमारत का निरीक्षण किया

भोपाल रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने निर्माणाधीन जीजी फ्लाईओवर और जेपी अस्पताल में निर्माणाधीन नवीन इमारत का निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक सहित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। लोक निर्माण मंत्री ने गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर के बीच 148 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे जीजी फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फ्लाईओवर निर्माण में हो रही देरी के कारणों की जानकारी ली । अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो, नगर निगम, और जिला प्रशासन के विभिन्न कार्यों में समन्वय न होने के कारण यह देरी हो रही थी। अब सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य की गति को तेज किया गया है। विभागीय अधिकारियों की बैठक कर निर्माण कार्य को गति देकर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिये गये। मंत्री ने निर्देश दिये कि फ्लाईओवर का कार्य सितंबर माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जाए। 15 मीटर चौड़े इस फ्लाईओवर की लंबाई 2734 मीटर यानि पौने तीन किमी है। जीजी फ्लाईओवर से एमपी नगर आने वाला 60त्न ट्रैफिक गुजर जाएगा, जिससे केवल 5 मिनट में पौने तीन किमी की दूरी तय हो सकेगी। इसके साथ ही, मंत्री ने जेपी अस्पताल में 26.63 करोड़ रुपये की लागत से 195 बेड और 4 ऑपरेशन थिएटर वाली

निर्माणाधीन नवीन इमारत का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की वर्तमान प्रगति की जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से भोपाल की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और स्वास्थ्य सुविधाओं में भी वृद्धि होगी, जिससे नागरिकों को काफी सुविधा होगी।

अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान पखवाड़ा अंतर्गत भोपाल पुलिस कर रही लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से सचेत

भोपाल रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान पखवाड़े के तहत वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशों के तारतम्य में भोपाल पुलिस शहर के समस्त थाना क्षेत्र की बस्तियों, कॉलोनी, सार्वजनिक स्थानों पर नशा मुक्ति हेतु जागरूकता अभियान चला रही है, विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले नुकसान एवं समाज में दुष्प्रभाव के बारे मे एवं बच्चों व युवाओ में नशा का बढ़ता प्रचलन से होने वाले गंभीर परिणामों एवं अपराधों के सम्बंध में जागरूक कर रही है। इसी क्रम में रविवार को थाना हबीबगंज, कोतवाली, मंगलवारा, अरेरा हिल्स, अवधपुरी, मिसरोद, अयोध्या नगर, हनुमान गंज, रातीबढ़, निशातपुरा, एमपीनगर, ऐशबाग इत्यादि थाना क्षेत्रों में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत थाना क्षेत्र में अलग-अलग कॉलोनी, झुग्गी बस्तियों, चौराहा में जाकर नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। खासकर की युवा वर्ग से पुलिस प्रशासन की ओर से अपील की गई तथा नशे के दुष्परिणाम के बारे में बताया गया। कालोनियो,कॉलेजों, स्कूलों में जा जाकर तथा आम लोगो के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं , साथ ही मार्केट में व्यापारियों के साथ नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा मुक्त रहने नशा मुक्त समाज बनाने के

संबंध में जागरूकता अभियान किया एवं व्यापारियों को नशा न करने के संबंध में शपथ दिलवाई गई ।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के छात्रों का विगत 2 माह से स्तायफंड के भुगतान न होने पर मध्यप्रदेश परिसंघ के संयोजक आई.टी इंजी.राहुल अहिरवार ने लिया संज्ञान में

मीडिया रिपोर्ट में मध्यप्रदेश परिसंघ के संयोजक आई टी इंजीनियर राहुल अहिरवार द्वारा अवगत कराया गया कि माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चलाई गई, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के मध्यप्रदेश के समस्त छात्रों का विगत 2 माह अप्रैल एवं मई के स्तायफंड का भुगतान नही हुआ, जिसमें समस्त छात्रों द्वारा मध्य प्रदेश परिसंघ के संयोजक इंजीनियर राहुल अहिरवार से स्तायफंड भुगतान करवाने हेतु आग्रह किया गया, जिसमें इंजीनियर राहुल अहिरवार ने तत्काल ही संज्ञान में लेकर माननीय मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को ईमेल के माध्यम से ज्ञापन पत्र प्रेषित किया और अतिशीघ्र स्तायफंड के भुगतान का अनुरोध किया गया, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मध्यप्रदेश शासन के द्वारा ज्ञापन पर कार्यवाही करके तत्काल प्रभाव से ऊर्जा विभाग को प्रेषित किया गया।

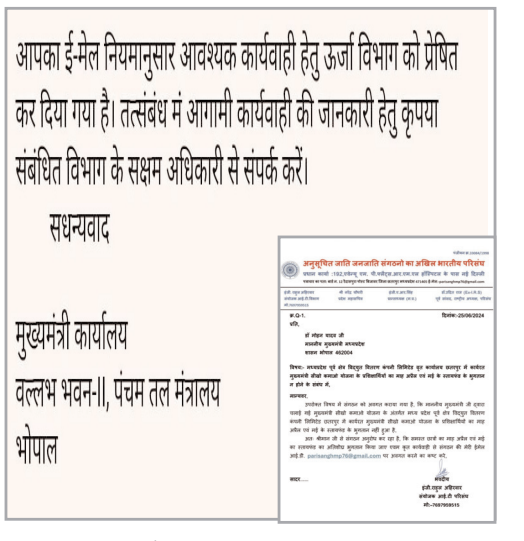

आपका ई-मेल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु ऊर्जा विभाग को प्रेषित कर दिया गया है। तत्संबंध में आगामी कार्यवाही की जानकारी हेतु कृपया संबंधित विभाग के सक्षम अधिकारी से संपर्क करें।

सधन्यवाद

मुख्यमंत्री कार्यालय
वल्लभ भवन-II, पंचम तल मंत्रालय
भोपाल

वर्तमान लोकतांत्रिक दशा में बहुजनों की राजनीतिक दिशा क्या हो ?

जून 2024, भावना मंगलमुखी, मुंबई

जैसा कि सर्वविदित है भारत की अठारहवीं लोकसभा हेतु संपन्न सदी की सबसे लंबी और विवादित चुनावी प्रक्रिया के नतीजे 4 जून 2024 को आ गए। मेरे पूर्वानुमान के अनुरूप ही मीडिया और चुनाव आयोग के पक्षपातपूर्ण रवैये के बावजूद बीजेपी को बहुमत नहीं मिला, उसका 400 सौ पार का नारा हवा - हवाई हो गया और वह 240 सीटों पर ही सिमटकर रह गई। लेकिन एनडीए बहुमत पाने में कामयाब हो गया।

इस बार विपक्षी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन भी काफ़ी बेहतर रहा और वह भी 234 सीटों के साथ मजबूत विपक्ष की भूमिका में आ गया।

गौर करने वाली बात यह है कि इस बार का चुनाव सिर्फ़ दो ध्रुवी रहा। एक तरफ़ कांग्रेस नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन तो दूसरी तरफ़ भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन।

लगभग 525 सीटें सिर्फ़ दोनों गठबंधनों में ही बंटी।

इस बार जनभावना भी स्पष्ट रूप से दो मतों में विभाजित थी, कुछ लोग मोदीजी की सांप्रदायिक राजनीति, संविधान व लोकतंत्र विरोधी तानाशाही नीतियों का समर्थन कर रहे थे तो अधिकांश लोग इन्हीं नीतियों को लेकर मोदी को हटाने की पुरजोर कोशिश में थे।

इसी दो ध्रुवी माहौल के बीच भी कुछ राजनीतिक दल अपनी रणनीति या मजबूरी के चलते दोनों ही गठबंधनों से दूर अलग - थलग खड़े थे। ऐसे किंकर्तव्यविमूढ दलों को जनता ने पूरी तरह नकार दिया।

इन तटस्थ दलों में से अधिकांश दल जैसे बीएसपी, बीआरएस, अकाली दल व एआईडीएमके बहुजनवादी राजनीति का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते रहे लेकिन इस बार के चुनावों में उत्तर प्रदेश में बीएसपी, उड़ीसा में बीजेडी, तेलंगाना में बीआरएस और तमिलनाडु में एआईडीएमके तो एक सीट भी न पाकर खाता खोलने में भी नाकामयाब रहे।

इस चुनाव में संविधान बचाना सबसे प्रमुख मुद्दा होने के बावजूद भी बीजेपी अनुसूचित जाति (एससी)की आरक्षित 84 सीटों में से सर्वाधिक एक तिहाई 28 तो अनुसूचित जनजाति(एसटी)की आरक्षित 47 सीटों में से लगभग आधी यानि 24 सीटें जीतने में सफल हो गई।

उपरोक्त सभी तथ्यों का विश्लेषण करने पर इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता हैं कि एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक यानि मंडलवादी सोच मोदीजी की कमंडलवादी सोच को हराने को बेताब थी लेकिन उनके अधिकांश नेता दलाल व बिके हुए थे। न वे अकेले अपने दम पर बीजेपी को पराजित कर पाने में सक्षम थे, न ही उन्होंने इंडिया गठबंधन में शामिल होने की समझदारी दिखाई अपितु वे अपने अहंकार में खुद तो डूबे, इंडिया गठबंधन के वोटों का नुकसान करके बीजेपी को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ भी पहुंचाया।

सिर्फ़ उत्तर प्रदेश में ही लगभग 16 सीटों पर बीजेपी की जीत का अंतर बसपा के प्रत्याशी के वोटों से कम था यानि अगर बहनजी समय रहते इंडिया गठबंधन के साथ आ जाती तो बीजेपी उत्तर प्रदेश में 20 सीटें भी नहीं जीत पाती। वहीं गठबंधन में बहनजी को कम से कम 20 सीटें भी मिलती तो उनके 20 सांसदों की मदद से वे इंडिया सरकार में महत्वपूर्ण पद भी पा सकती थी। लेकिन अब पछताए होत क्या जब चिड़ियां चुग गई खेत।

इसलिए सभी छोटे दलों के लिए भविष्य के लिए यह एक सबक अवश्य है कि अब उन्हें किसी न किसी एक गठबंधन के साथ ही रहना होगा अन्यथा जनता उन्हें विलेन मानकर कर उनका कभी साथ नहीं देगी।

आगामी कुछ महीनों में महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव आ रहे है। वहां भी प्रकाश अंबेडकरजी और वामन मेश्रामजी की वही भूमिका रही है जो उत्तर प्रदेश में मायावतीजी की रही है।

इसलिए सभी बहुजनों से निवेदन है कि आप अपने नेताओं को पहचानिए। इनसे तो चिराग पासवान भी होशियार है जो परिस्थिति को भांपकर बीजेपी से पांच सीटें भी ली, उनकी मदद से पांचों सीटें जीती भी और केंद्र में मंत्री भी बन गए।

समस्त बहुजन चिंतकों से भी अपील है कि वे बहुजन पार्टियों की आपसी मनमुटाव वाली खबरों व विश्लेषणों के बजाय सामंजस्य और गठजोड़ को बढ़ावा देने वाली खबरों और विश्लेषणों को पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व के साथ - साथ आम मतदाताओं तक भी पहुंचाएं और सभी को सांप्रदायिक व संविधान विरोधी ताकतों के खिलाफ़ एकजुट होकर लड़ने हेतु प्रेरित करे।

साथ ही जो भी नेता बहुजन हितैषी होने का दंभ भरते हुए अपनी पार्टी को इंडिया गठबंधन से अलग रखकर अपने दम पर अकेले लड़ने का नाटक करे, बहुजन जनता को ऐसे विलेन नेताओं से किनारा करके उनको उनकी औकात अवश्य दिखानी चाहिए।

चूंकि उड़ीसा में नवीन पटनायक जी का लगभग ढ़ाई दशक से एकछत्र शासन था इसलिए उन्हें चुनाव पूर्व गठबंधन की आवश्यकता महसूस न हुई हो लेकिन इसका खामियाजा कांग्रेस और बीजेडी दोनों को उठाना पड़ा और वहां बीजेपी सत्ता में काबिज़ हो गई। अतः अब कांग्रेस और बीजेडी को भी चाहिए कि वे भविष्य में साथ में चुनाव लड़कर बीजेपी को धूल चटाने का प्रयास करे।

कांग्रेस को भी चाहिए कि वह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल, मध्य प्रदेश में कमलनाथ व दिग्विजयसिंह, राजस्थान में अशोक गहलोत और हरियाणा में रणदीपसिंह सुरजेवाला जैसे बारंबार असफल व अप्रासंगिक हो चुके दरबारी नेताओं से मुक्ति पाकर दूसरी पीढ़ी के नए युवा नेताओं को आगे बढ़ाए।

विशेष - बहुजन से अभिप्राय किसी जाति या संप्रदाय के व्यक्ति विशेष से नहीं अपितु उस विचारधारा के समर्थक से है जो जाति - संप्रदाय की संकीर्णताओं से ऊपर उठकर संविधान में आस्था रखते हुए समतावादी व मानवतावादी दृष्टिकोण रखते हैं। मेरे अनुसार एक तर्कशील व अंधविश्वास और पाखंड मुक्त सवर्ण(ब्राह्मण) भी उस दलित या आदिवासी नेता से बेहतर है जो सत्ता द्वारा संविधान के चीरहरण को देखते हुए भी सत्ता की जय - जयकार करते हुए सत्ता की चापलूसी करने और तलवे चाटने में मदमस्त है।

किसी भी आधार पर किसी भी जाति - संप्रदाय से विद्वेष रखने वाले सच्चे अर्थों में संविधानप्रेमी व देशप्रेमी हो ही नहीं सकते। इसलिए सदैव नफ़रत फैलाने वालों का बहिष्कार करे और मोहब्बत की बात करने वालों को समर्थन और साथ अवश्य दे।

जागो जवान....??

रोज़ सुबह अच्छी लगती है
खेतों में शबनम हों तो
कारज बड़े संभल जाते हैं
पीने वाले कम हों तो।
बनेठुबनाए मिटते देखे हैं
हमने अपनी आंखों से
कुछ तो बह जाते हैं
इसमें आसू की बरसातों से
ठोकर लगते उठ जाते हैं
गर अपनों का गम हों तो
कारज बड़े संभल जाते है
पीने वाले कम हों तो
पढ़ेइलिखे नोजवां भी देखे
हमने आज कलारी में
कुछ तो यूं बरबाद हो
गए ऐसी दुनियादारी में
मातइपिता की हालत देखो
थोड़ी लाजइशरम हो तो
कारज बड़े संभल जातें हैं
पीने वाले कम हों तो

लेखक- नारायण सिंह शिक्षक मोहड़ कलां।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया गया

बीआर अहिरवार पत्रकार नर्मदापुरम। गुरुवार दिनांक को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर श्रीमती ईरा वर्मा जी एवं डाक्टर श्री बी एल राय प्राध्यापक भूगोल ने बताया कि वर्तमान में कम वर्षा का होना अत्यधिक गर्मी की स्थिति असहनीय गर्मी होना हरियाली की कमी के कारण हमें भुगतना पड़ती है, हमें जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए हरियाली का निर्माण करना होगा , स्वस्थ पर्यावरण से ही स्वस्थ युवा का निर्माण करना होगा आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक विद्यार्थी यह संकल्प ले कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकृति को बचाने के लिए एक पौधा अनिवार्य रूप से लगाए तथा मानव जीवन और प्रकृति को बचाने के लिए इसकी रक्षा करने के लिए संकल्प लें कि हम हमारे पर्यावरण को बचाएंगे हरियाली का निर्माण करेंगे तथा पौधरोपण करके स्वस्थ स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण करेंगे हरियाली से ही सुंदर समृद्ध प्रकृति को स्वच्छ वायु को बचाने का प्रयास करेंगे कार्यक्रम में प्राचार्य डॉक्टर श्री ओ एन चौबे जी ने कहा

की वर्तमान में युवाओं के कंधों पर पर्यावरण तथा प्रकृति के संरक्षण की जिम्मेदारी है प्रत्येक युवा को अपने जिम्मेदारी को पौधरोपण करके ही निभाना होगा यदि हम आज भी नहीं जागेंगे तो हमारे कल का क्या अंजाम होगा यह हमें पता है कार्यक्रम में कार्यक्रम में एसके झा , मनीष दुबे चंद्रप्रभा सोनी , सचिन दुबे तथा छात्राएं एवं छात्र उपस्थित रहे।

आपसी रंजिश में वारदात, पत्थर मारकर किया बेहोश, काटी हाथ की तीन अंगुलियां

गुना। शहर की नजूल कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति को बीती रात रेल पटरी पर पत्थर मारकर बेहोश कर दिया गया। इसके बाद उसके एक हाथ की तीन अंगुली काटने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है। फरियादी निरंजन पुत्र देवीलाल धाकड़ उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम धाननखेड़ी हालमुकाम नजूल कॉलोनी, गुना ने बताया कि बीती रात करीब 12 बजे वह अपने घर से रेलवे लाइन पार कर खाना खाने होटल जा रहा था।

अघोरी बाबा को आया अर्धनारीश्वरी बनने का सपना, केदारनाथ से इंदौर आकर करवाया लिंग परिवर्तन

इंदौर। केदारनाथ से अकेले कार से इंदौर आकर 27 वर्षीय अघोरी बाबा ने लिंग परिवर्तन करवाया है। शहर के निजी अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई, जो करीब पांच घंटे तक चली। वे मूलरूप से दक्षिण भारत के रहने वाले हैं। सर्जरी के बाद वे बेहोशी की हालत में हैं। इसलिए उनसे बात नहीं हो पाई है। बाबा की सर्जरी प्लास्टिक कॉस्मेटिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन डॉ. अश्विनी दाश ने की है। इंटरनेट मीडिया पर उनकी कार के फोटो भी बहुप्रसारित होते रहे। कार में चारों तरफ उनके फोटो और अर्धनारीश्वरी लिखा हुआ है। साथ की कार के अंदर नजारा डरावना है। कार के अंदर मानव खोपड़ियां रखी हुई हैं। कई लोग कार को देखने के लिए अस्पताल पहुंचे। कार में माला और कई सामग्री भी रखी हुई है। जानकारी अनुसार बाबा मूलरूप से दक्षिण भारत के रहने वाले हैं, लेकिन परिवार को

त्यागने के बाद अब वे पहाड़ों के साथ मंदिर और आश्रम में रहते हैं। उन्होंने सर्जरी से पहले बताया था कि करीब एक साल पहले उन्हें अर्धनारीश्वरी बनने का सपना आया था। पूर्व में चेन्नई में भी इसी संबंध में एक सर्जरी हो चुकी है। डॉक्टरों ने फीमेल जेनिटल बनाया और ब्रेस्ट इम्प्लांट डाले। अब करीब पांच दिन डॉक्टरों की निगरानी में उन्हें रखा जाएगा।

Flat for sale

E/7 SAGAR DEEP APARTMENT ARERA COLONY SIZE 1270 PRICE 30 LAKH

Trilanga society ground floor 1800sqft 3bhk

Duplex Kolar main road se laga hua 1500sqft buildup 2600sqft price 1cr negotiable ***contact 9594433435***

मकान, दुकान, फ्लैट खरीदने हेतु संपर्क करें **दया चौधरी- 9594433435**

स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया

नीट परीक्षा के पेपर लीक करने वालों पर हो कार्यवाही, एस.एफ.आई. ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

भोपाल। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा नीट परीक्षा में की गई व्यापक धांधली एवं पेपर लीक के मामले में परीक्षा में सामिल लाखों छात्र छात्राओं के साथ न्याय करने व परीक्षा में भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग को लेकर शासकीय महाविद्यालय छात्रावास अध्ययनरत छात्रों ने पिपलानी चौराहा पेट्रोल पम्प रजत नगर भोपाल में प्रदर्शन किया इस मौके पर एस.एफ.आई. के जिला अध्यक्ष दीपक पासवान ने कहा कि इस देश में जितनी भी महत्वपूर्ण परीक्षायें सरकार द्वारा आयोजित कराई जा रही है सभी भ्रष्टाचार की शिकार हैं। परीक्षा कराने वाली संस्थाओं के प्रमुख अपने लोगों को उपकृत करने के लिए पढ़ने वाले योग्य छात्रों के भविष्य से खेल रहे हैं। नीट के एक ही सेन्टर में से 7 छात्रों के पूरा पूर्णांक मिलना यह प्रदर्शित करता है कि भ्रष्टाचार किस स्तर पर हैं। बिहार, गुजरात में गिरफ्तार लोगों ने बताया कि पैसे लेकर पेपर छात्रों को लीक किये गये है बड़ी मात्रा में पैसों का मिलना 67 छात्रों का पूर्णांक पाना तथा पूरी रैकिंग में हेरा-फेरी आदि ऐसे विषय है जो परीक्षा की परदर्शिता पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे हैं।

छात्र नेता ने इस पूरी परीक्षा की सी.बी.आई.से जांच कराने, अवैध लाभ लेकर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। संगठन ने कहा कि एक भी योग्य छात्र के साथ अन्याय न हो इसकी जवावदारी सरकार को लेनी चाहिए। इस आन्दोलन में एसएफआई से दीपक पासवान, सोनू अहिरवार, रजत मालवीय, कुशल शिलावट, संजय प्रजापति, पवन अहिरवार, पुष्पेंद्र चौधरी, विशाल अजनोतिया , विकास मौर्य, ऋतिक, मनोज, गौरव अहिरवार , इत्यादि छात्र उपस्थित रहे ।

मरुभूमि का गौरव बाड़मेर निवासी और अटल बिहारी वाजपेई कॉलेज बेंगलुरु का एमबीबीएस दलित छात्र मृतक लोकेंद्र कुमार सिंह पुत्र श्री अमित कुमारजी धनदे के घर जाकर भाई को श्रद्धांजलि दी और परिजनों को न्याय हेतु संघर्ष में कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने का भरोसा दिया।

दलित गरीब बेटी शिवानी इंस्टाग्राम कलाकार पहूंची बिंग बास टी. वी. शो में पूरे देश से दी जा रही बधाईयाँ

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। प्रतिभा कभी भी दब नहीं सकती हुनर कभी मोहताज नहीं हो सकता यह साबित करने वाली गरीब घर की बेटी शिवानी ने इंस्टाग्राम कलाकरी दरशाते हुए उसने अपनी पहचान बना कर सिद्ध कर दिया कि केवल अशलीलता के ही जरिये मुकाम हासिल नहीं किया जाता है। साफ सुधरी छवि के माध्यम से मुकाम हासिल भी किया जा सकता है। एक छोटे से गाँव उत्तर प्रदेश के औरैया जिले की लड़की शिवानी कुमारी ने इंस्टाग्राम में अपनी पहचान बनाई जिसके पैरों तक में चप्पल नहीं थी। जब वह 2 वर्ष की थी। तभी उसके पिता का निधन हो गया था। माँ है और चार बहिनों का गरीब परिवार जो कि मेहनत मजदूरी कर अपनी जीवका चला रहे थे। किस्मत में जब अचानक मोड़ आया कि वह सोशल मीडिया के माध्यम से अपना हुनर दिखाती, समाज को जागरूक करती और अम्बेडकरी मिशन को प्रमुखतः से सोशल मीडिया पर बता कर देश में बहुजनों व दलित वर्गों की चहेती बन चुकी थी। जिसके हुनर को देखते हुए देश का बहुचर्चित टी. वी. शो बिंग बास में चयनित हुई। जिसे पूरे गाँववालों ने स्वागत, अभिन्दन कर उसे बिंग बास में जाने पर बिदा किया। पूरा गाँव गौरवान्वित था। सभी वर्गों के लोगों में प्रसांशा थी, की गाँव की बेटी शिवानी कुमारी ने गौरव बढ़ाया। मध्यप्रदेश के दलित वर्ग में भी बेटी शिवानी कुमारी को बिंग बास में जाने पर खुशी है। तथा उसे बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही है। मध्यप्रदेश के अमर शहीद वीर सपूत मनीराम अहिरवार के परिवार की ओर से एवं शहीद उत्तराधिकारी मूलचन्द मेधोनिया वरिष्ठ पत्रकार के द्वारा बेटी शिवानी कुमारी जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उसकी सफलता की कामना करते है।

देवरी से पटवारी संघ ने पीड़ित अरविंद धानक को 19001 रुपए की सहायता राशि प्रदान की

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

देवरी। बिजली विभाग में तिहाडी मजदूरी कर रहे अरविंद धानक को 2019 में करंट लगने से रीड की हड्डी टूट गई और कमर के नीचे का हिस्सा शून्य हो गया सरकार या ठेकेदार द्वारा किसी भी प्रकार की सहायता नहीं दी गई। Nayak 24 द्वारा प्रसारित वीडियो को देखकर तहसील देवरी पटवारी संघ की तरफ से ग्राम इटुआ टपरिया मोहल्ले में पीड़ित अरविन्द धानक पिता अजुद्दी धानक को देवरी पटवारी संघ के द्वारा 19001(उन्नीस हजार एक रुपए की सहायता राशि प्रदाय की) पटवारी संघ ने दिनांक 26/06/2024 को पीड़ित परिवार के घर पहुँचकर उनका हाल-चाल जाना और सहायता राशि प्रदान की।। पटवारी संघ की तरफ से पीड़ित परिवार के घर पहुंचे पटवारी संघ के अध्यक्ष

1. श्री पुष्पेन्द्र शर्मा
2. श्री विनोद विश्वकर्मा
3. श्री खूमसिंह डावरे
4. श्री चेतन अहिरवार
5. श्री दीपक कटारे
6. श्री सुमेर सिंह सेलखे
7. श्री अंकित गुप्ता
8. श्री शैलेश राजपूत
9. श्री रामशरण रघुवंशी
10. श्री शुभम दुबे
11. श्री सुखलाल वर्मा।

अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी की शौर्य गाथा

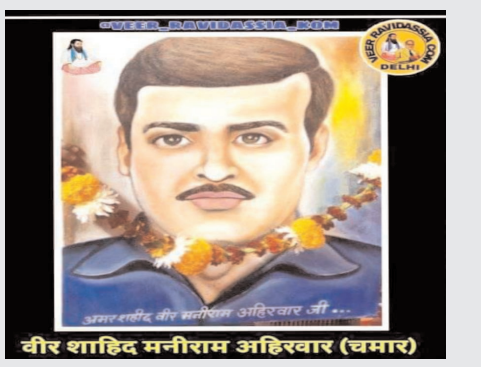

मनीराम से वीर चीचली,
शत्रु को धूल चटा सकते।
वतन परस्ती धड़के दिल में,
दिवाने लहू बहा सकते।।
पीछा कर अग्रेंज खदेड़े,
पड़े प्राण के लाले थे।
धन्य-धन्य हे महावीर तुम,
देश भगत मतवाले थे।।
उन्हें पकड़ने की साजिश थी,
पर गौरे पेश न पाये थे।
अंग्रेजों ने जाल विछाया,
चुगले माँ का दूध लजाये थे।।
जलते थे जो मनीराम से,
वो ही कैद कराये थे।
बंदी ग्रह में क्रुर यातना,
झेल शहादत पाये थे।।

कवि - श्री रामचरण अहिरवार (निश्चल)
पथरिया जिला -दमोह, मध्यप्रदेश

श्रीमती श्रीबाई उईके की पुण्य तिथि पर निशुल्क नेत्र शिविर एवं स्वास्थ्य चेकअप कैंप का आयोजन।।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

सागर। आज दिनांक 23/06/2024 को स्वर्गीय श्रीमती श्रीबाई जी की प्रथम पुण्यतिथि पर ग्राम चौका ज़िला सागर में निःशुल्क हेल्थ चेकअप एवं नेत्र शिविर का आयोजन किया गया 7 जिसमे स्वास्थ्य एवं नेत्र रोगों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया 7 क़रीब 100 से अधिक महिला पुरुषों के स्क्रीनिंग के दौरान 15 मरीज़ों को मोतियाबिंद होने के कारण श्री सतगुरू सेवा संघ, नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट, ज़िला सतना रवाना किया गया 7 सभी सहयोगियों ने अपनी विशेष भूमिका निभाई जिसमे डॉ.अंजना सिंह स्व्वक्क स्व (नेत्ररोग विशेषज्ञ, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल), प्रह्लाद सिंह उईके ज़िला अध्यक्ष, गोंड समाज महासभा, ज़िला सागर उपस्थित रहे।

रमाकांत चौहान बने राष्ट्रीय हिंदू परिषद जिला रायसेन के जिला अध्यक्ष।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। श्री राष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रिपुदमन सिंह जी के अनुशंसा पर मध्य प्रदेश अध्यक्ष श्री धनंजय यादव जी के द्वारा रायसेन जिला के कर्मठ कार्यकर्ता हिंदुत्व वादी विचार रखने वाले श्री रमाकांत चौहान उदयपुरा को श्री राष्ट्रीय हिंदू परिषद जिला रायसेन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया जिसमें उनके सभी साथी एवं नगर के वरिष्ठ जनों ने उन्हें शुभकामनाएं दी एवं स्वागत किया शुभकामनाएं देने वालों में शशांक भटेले, शुभम द्विवेदी, प्रतीक तिवारी, अनुज राय, मानव वर्मा, जीत बिश्नोई सामिल रहे।।

शिक्षक से प्रेरित होकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कराया विशेष भोज

•शिक्षण के साथ कराए जा रहे है विभिन्न नवाचार

संभागीय संवाददाता हेमंत शाक्य

सुल्तानपुर -- संपर्क सूत्र-6263301848- नवीन शिक्षण सत्र 2024 का शुभारंभ हो गया है संकुल प्राचार्य श्रीमती आर एस कुमार के कुशल मार्गदर्शन में शिक्षक सुशील शर्मा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार किए जा रहे हैं जिससे बच्चे अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश ले सकें एवं कोई भी बच्चा प्रवेश लेने में वंचित न हो पाए, स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत शिक्षक द्वारा बच्चों के माता-पिता से सतत संपर्क किया जा रहा है, शिक्षक सुशील शर्मा के शैक्षिक कार्यक्रमों से प्रभावित होकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी अशोक कैथल द्वारा प्राथमिक विद्यालय

के बच्चों को विशेष भोज करवाया गया जिससे बच्चे अधिक से अधिक संख्या में विद्यालय आ सकें एवं शासकीय योजनाओं का लाभ ले सकें क्योंकि जब हमारा समाज शिक्षित होगा तो हमारे देश का विकास होगा विभिन्न प्रकार के नवाचारों से बच्चों में जिज्ञासा उत्पन्न होती है एवं वह आनंदपूर्वक विद्यालय में आने लगते हैं शिक्षक सुशील शर्मा का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विद्यालय के वातावरण को आनंदमय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के नवाचार करवाए जा रहे हैं जिससे बच्चों का विद्यालय में ठहराव हो सके एवं उन्हें नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से सीखने सिखाने का कार्य करवाया जा रहा है एवं बच्चे अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश ले सकें, पूर्व में भी नायब तहसीलदार सौरव मालवीय द्वारा विद्यालय में विशेष भोज करवाया गया था इस अवसर पर जन शिक्षक श्री एल आर गौर, कार्यालय प्रमुख सुश्री नसीमा मैडम, शिक्षिका श्रीमती उमा भार्गव उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री दुबे के निर्देशानुसार निरीक्षण दल द्वारा कीटनाशक

•बीज तथा उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का किया जा रहा है आकस्मिक निरीक्षण

सम्भागीय पत्रकार हेमंत शाक्या संपर्क सूत्र 6263301848

रायसेन। कलेक्टर श्री अरविंद दुबे के निर्शानुसार सम्पूर्ण जिले में उप संचालक कृषि श्री एनपी सुमन के निर्देशन में जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा कीटनाशक, बीज तथा उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण कर जांच की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा विकासखंड औबेदुल्लागंज अंतर्गत कीटनाशक, बीज तथा उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिला स्तरीय दल द्वारा मैसर्स - वेदिका कृषि सेवा केन्द्र, उपाध्याय कृषि सेवा केन्द्र, शुभम कृषि सेवा केन्द्र, औबेदुल्लागंज, चौहान ट्रेडर्स, श्री सांई ट्रेडिंग गौहरगंज, पटेल एण्ड संस, हार्दिक इंटरप्राईजेज, खण्डेलवाल ट्रेडर्स मंडीदीप के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर विक्रय एवं भंडारण संबंधी दस्तावेज जैसे -विक्रय लायसेंस, बिल बुक, स्टॉक पंजी आदि का अवलोकन किया गया जिसमें मैसर्स वेदिका कृषि सेवा केन्द्र पर वैद्य लायसेंस नहीं पाया गया जिस पर प्रतिष्ठान को दल द्वारा मौके पर सील कर पंचनामा तैयार किया गया। मैसर्स - उपाध्याय कृषि सेवा केन्द्र औबेदुल्लागंज एवं चौहान ट्रेडर्स गौहरगंज के विक्रय संबंधी दस्तावेज अपूर्ण पाये गये जिनको नियमानुसार कारण बताओं सूचना पत्र जारी कर आगामी कार्यवाही की जा रही है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना से किसान समृद्ध और सशक्त हुए हैं- विधायक डॉ चौधरी

पीआईबी भोपाल द्वारा रायसेन में मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' का आयोजन

सम्भागीय संवाददाता हेमंत शाक्या संपर्क सूत्र 6263301848

रायसेन। पीएम किसान सम्मान निधि योजना से किसान समृद्ध और सशक्त हुए हैं। इस योजना से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। यह बात मध्य प्रदेश शासन में पूर्व मंत्री एवं वर्तमान सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) द्वारा रायसेन में आयोजित मीडिया कार्यशाला वार्तालाप को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त जारी की। रायसेन के किसानों के खातों में भी इस योजना के तहत किस्त जारी की गई। विधायक डॉ चौधरी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की खूबियों को गिनाते हुए कहा कि यह योजना ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका अदा करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना पर भी प्रकाश डाला। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि सरकार की योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीआईबी केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी आम जन तक पहुंचाने का कार्य करता है। ऐसी कार्यशालाएं होती रहनी चाहिए। रायसेन के पत्रकारों से 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान देने का भी आह्वान किया। कार्यशाला में रायसेन जिले के कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने कहा कि सरकार की योजनाओं के प्रचार प्रसार में आप पत्रकारों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। पत्रकारों के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचती है और उनका फीडबैक भी प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया की

भूमिका अहम हो गई है और इसकी पहुंच भी जन-जन तक है। पर इसका इस्तेमाल भी सावधानीपूर्वक करना चाहिए। उन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने रायसेन में कार्यशाला का आयोजन करने के लिए पीआईबी को धन्यवाद दिया। कार्यशाला में रायसेन जिले के एसपी श्री विकास शहवाल ने कहा कि पत्रकारों की रचनात्मक, सकारात्मक और विकासपरक पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए 'वार्तालाप' जैसी कार्यशालाएं काफी सहायक साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि रायसेन में पत्रकारिता का कल्चर काफी समृद्ध है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को साइबर फ्रॉड से भी सावधान किया और इससे बचने के तरीके बताए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पीआईबी भोपाल के अपर महानिदेशक श्री प्रशांत पाठराबे ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पीआईबी सरकार और मीडिया के बीच पुल का काम करता है। यह मीडिया के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं, पहलों और नीतियों के बारे में जानकारी आम जन तक पहुंचाता है और उसका फीडबैक भी प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि वार्तालाप जैसी कार्यशालाएं गत वर्ष कटनी, खरगौन, अलीराजपुर और सीहोर में आयोजित की गई थी। कार्यशाला में कृषि विभाग के उप संचालक श्री एनपी सुमन ने कृषि से संबंधित योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने रायसेन जिले में श्रीअन्न योजना तहत किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी पत्रकारों को बताया। कार्यक्रम में ऊर्जा विकास निगम के अधिकारी श्री अनिल सामुद्रे ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की बारीकियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने इस योजना की पात्रता और इसमें मिलने वाली सब्सिडी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में रायसेन के अग्रणी बैंक के प्रबंधक श्री एस एस सोनी ने वित्तीय समावेशन की योजनाओं- जनधन योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति जीवन योजना और प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े जबलपुर हाईकोर्ट के वकील विबुलेन्द्र मिश्र ने त्वरित न्याय के लिए तीन नए कानूनों के बारे में पत्रकारों को बताया। उन्होंने कहा कि 01 जुलाई से लागू होने वाले ये कानून मील के पत्थर साबित होंगे। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने पत्रकारों के प्रश्नों के जवाब भी दिए। कार्यक्रम में रायसेन जिले के जनसंपर्क विभाग की सहायक संचालक डॉ अनुभा सिंह भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में पत्रकारों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन पीआईबी के उप निदेशक डॉ. सत्येन्द्र शरण ने किया। कार्यक्रम में मंच संचालन पीआईबी भोपाल के मीडिया एवं संचार अधिकारी श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता ने किया।

नामांतरण, बंटवारा के लंबित प्रकरणों का अभियान चलाकर करें निराकरण

विधायक ने कहा कि कलियासोत को बारह मासी नदी बनाने के लिए, स्टाप डेम और सुंदरीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली थी। इसका विस्तार से प्लान तैयार किया जाए। खराब सड़कों की मरम्मत, विद्युत ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जाए। बैठक में स्थानीय वधियक रामेश्वर शर्मा व भगवान दास सबनानी मौजूद थे।

भोपाल | संभाग के सभी जिलों में लंबित अविवादित नामांतरण और बंटवारा के प्रकरणों को विशेष अभियान चलाकर निराकृत किया जाए। भोपाल स्मार्ट सिटी क्षेत्र में भूविक्रय की समस्याओं को शीघ्र दूर कर भूमि विक्रय की प्रक्रिया को तेज की जाए। कलेक्टर और सीईओ स्मार्ट सिटी को दिए गए क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ाएं।जिससे रोजगार के अवसर हो सकें।यह निर्देश भोपाल संभाग के प्रभारी अपर मुख्य सचिव डा. मोहम्मद सुलेमान ने मंगलवार को संभागायुक्त कार्यालय में हुई विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए हैं। वह बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे और संभागायुक्त डा. पवन कुमार शर्मा, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, प्रभुराम चौधरी, सहित सभी जिलों के कलेक्टर व अधिकारी उपस्थित थे।

संतुलन स्थापित कर जल्द जारी किया जाए मास्टर प्लान - अपर मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान ने कहा कि ग्रीन क्षेत्र, वन,जल स्रोत, उद्यान, रहवासी क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र में संतुलन स्थापित कर जल्द से जल्द मास्टर प्लान जारी किया जाए। सभी जिलों में शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए ।अधिकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। कलेक्टर प्रतिमाह स्थानीय विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करें। वर्षा ऋतु के मद्देनजर सभी जिलों में आपदा प्रबंधन की सारी तैयारियां तुरंत पूर्ण कर ली जाएं। जल संरचनाओं की मरम्मत के प्रस्ताव तुरंत भिजवाएं और तत्परता से कार्य कराया जाए।किसानों को खाद बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराएं और डीएपी खाद की कमी के चलते किसानों को उसके विकल्प का उपयोग करने की सलाह दी जाए। वर्षा के मौसम में डायरिया एवं वेक्टर जनति बीमारियों से निपटने की समुचित व्यवस्था की जाए। बाढ़ नियंत्रण कक्ष और आपदा प्रबंधन के सारे उपकरण आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

रामेश्वर बोले जमीन पर उतारें सीवेज प्लान - बैठक में मौजूद हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने शहर से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए कहा कि भोपाल का विस्तृत सीवेज प्लान तैयार कर जमीन पर उतारा जाए ।अलग अलग काम होने से पैसे की बर्बादी होती और जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।अमृत योजना दो के तहत एक हजार नौ करोड़ के टेंडर जल्द से जल्द लगाए जाएं। कलियासोत नदी के आसपास नगर निगम द्वारा एनजीटी के दवाब में नोटिस जारी कर रहा है। इस पर एसीएस और संभागायुक्त ने जिला प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त की।

अशोका गार्डन स्थित कुक डूं कूं रेस्ट्रों का खाद्य पंजीयन निलंबित

भोपाल | नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा 80 फीट रोड़, अशोका गार्डन क्षेत्र में स्थित 11 रेस्टोरेंट आदि में लगे तन्दूरों की जांच की गई। इस दौरान कुक डू कूं रेस्ट्रों के तन्दूर में लकड़ी तथा कोयले का उपयोग होना पाये जाने के कारण खाद्य पंजीयन प्रधिकारी के द्वारा प्रतिष्ठान का खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। निलंबन काल में प्रतिष्ठान से खाद्य कारोबार का संचालन प्रतिबंधित रहेगा ।

निरीक्षण के दौरान इंडियन कॉफी एण्ड टी रेस्टोरेंट तथा शर्मा जी प्योर वेज रेस्टोरेंट में खाद्य कारोबार का संचालन बिना खाद्य पंजीयन के होना पाया गया ।

अभिहित अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार वर्मा के निर्देशानुसार दोनों प्रतिष्ठानों के मालिकों के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 31(1) के अन्तर्गत प्रकरण माननीय न्यायालय न्याय-निर्णायक अधिकारी, जिला भोपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा जिसमें धारा 58 के अन्तर्गत दो लाख रूपये तक जुर्माना का प्रावधान है ।

जोन 14 के दो बड़े नालों की कागजों में हुई सफाई, 60 घंटे चली तीन-तीन बड़ी पोकलेन, गंदगी जस की तस

भोपाल | नगर निगम जोन 14 के अंतर्गत आने वाले दो बड़े नाले एम्स और पिपलिया पेंदे खां की इस बार कागजों में सफाई हुई है। इन दोनों बड़े नालों की सफाई 60 घंटे चली तीन-तीन बड़ी पोकलेन मशीनों से हुई है। इसके बावजूद यह दोनो नाले गंदगी, गाद और मलबे से पटे हुए हैं, जो क्षेत्र की करीब पांच दर्जन से अधिक कालोनी वासियों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं।

निगमायुक्त हरेंद्र नारायन को एक बार इन नालों की सफाई का जायजा लेने चाहिए। ताकि उनको भी पता चले कि जिन मशीनों को किराये पर लेकर लाखों रुपए बिल में भर दिए उन मशीनों से कितनी सफाई हुई है। एएचओ राकेश शर्मा ने नालों को ऊपरी तौर पर साफ कर दिया, लेकिन जहां सफाई होनी चाहिए थी, वहां अब तक नहीं हुई । इसका खामियाजा आम जनता को तेज बारिश में भुगतना पड़ेगा।

इन इलाकों में नाले बरपाएंगे कहर - राधाकुंज खजूरी कलां, अलकापुरी, साकेत नगर, प्रगति नगर, विश्वकर्मा नगर, मायाधाम गोपाल नगर, अनुपम नगर, निर्मला पैलेस, रीगल नेक्स्ट समेत क्षेत्र की अन्य कई बस्तियों में नाले कहर बरपाएंगे । उक्त क्षेत्रों के नागरिकों ने बताया कि छोटे नालों की सफाई का दिखावा किया जाता है, लेकिन बड़े नालों की सफाई समय रहते कभी नहीं होती। चूंकि बारिश होने लगी है। ऐसे में यह दोनों बड़े नाले साफ नहीं हो पाएंगे और काम बीचे में बंद कर दिया जाएगा ।

इन दोनों बड़े नालों से कई छोटे नाले जुड़े हुए हैं। बड़े नालों से पानी की निकासी नहीं होने पर छोटे नाले उफान पर आ जाते हैं । दोनों बड़े नालों में गंदगी, गाद और मलबा भरा हुआ है।

भाजपा ने राजधानी में 11 मीसा बंदियों का किया सम्मान

भोपाल। जिला भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस द्वारा बर्बरतापूर्वक लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर 11 मीसाबंदियों का सम्मान किया। उन्हें शाल श्रीफल और भारत माता का चित्र भेंट किए। यह कार्यक्रम एसबीआई चौराहा रायल मार्केट में आयोजित कयिा गया था।

इस अवसर पर काले कपड़े पर काला दिवस लिख और काली पट्टी बांध कर हवा में काले गुब्बारे छोड़ कर काले दिवस का विरोध किया गया। मीसाबंदियों ने आपातकाल के दौर का स्मरण करते हुए बताया कि किस प्रकार कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ व अहंकार में देश पर आपातकाल थोपकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की हत्या कर दी गई। सभी ने उस समय की यादों का सांझा कयिा। इस मौके पर भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

मीसाबंदियों ने आपातकाल के दौर का स्मरण करते हुए बताया कि किस प्रकार कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ व अहंकार में देश पर आपातकाल थोपकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की हत्या कर दी गई। इस अवसर पर मीसाबंदी बिहारी लाल लोकवानी, गोविन्द डांडवानी, दिलीप शर्मा, दौलत भरानी, रामजीवन दुबे, मांगीलाल बाजपाई, गुरमुखदास लखमानी सहित 11 मिसाबंदी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा आज ही के दिन 1975 में एक परिवार ने अपने हाथ से सत्ता निकलने के डर से जनता के अधिकारों को छीन व लोकतंत्र की हत्या कर देश पर आपातकाल थोपा था। अपने सत्ता-स्वार्थ के लिए लगाया गया आपातकाल, कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता का प्रतीक और कभी न मिटने वाला कलंक है। उस कठिन समय में अनेक यातनाएं सहकर लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए लाखों लोगों ने संघर्ष किया। मैं उन सभी देशभक्तों को दिल से नमन करता हूं। इस अवसर पर पार्षद देवेंद्र भार्गव, सुनील सराठे,मुकेश सोलंकी,अतुल घेघट,संदीप कल्याणे, मनीष मकोरिया,कैलाश हिरवे, राजकुमारी डागोर सहित युवा साथी उपस्थित थे

बीत 4 साल से रुकी थी नर्सिंग पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं, अब तैयार हुआ कैलेंडर

उप मुख्यमंत्री स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राजेन्द्र शुक्ल ने मंगलवार को मंत्रालय में परीक्षाओं की तैयारी की समीक्षा की। अब बीएससी नर्सिंग, एमएससी, पीबीबीएससी और जीएनएम के छात्रों की रुकी हुई परीक्षाएं अगस्त में पूरी हो जाएंगी। पूरक परीक्षाओं का आयोजन जुलाई अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

भोपाल | नर्सिंग फर्जीवाड़े का मामला हाई कोर्ट में पहुंचने के चलते वर्ष 2019-20 से इसके विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं नहीं हुई हैं। अब हाई कोर्ट से परीक्षा आयोजन पर स्थगन में छूट के बाद स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने परीक्षा कराने के लिए कैलेंडर तैयार किया है।

अक्टूबर तक चलेगी परीक्षा

अलग-अलग पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं जुलाई 2024 से शुरू हो जाएंगी, जो अक्टूबर तक चलेगा। उप मुख्यमंत्री स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राजेन्द्र शुक्ल ने मंगलवार को मंत्रालय में परीक्षाओं की तैयारी की समीक्षा की।

1 लाख से ज्यादा छात्र प्रभावित

बता दें कि 2019-20 से 2022-23 के बीच परीक्षाओं का आयोजन नहीं होने के कारण लगभग एक लाख विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इसमें बीएससी नर्सिंग, एमएससी, पीबीबीएससी और जीएनएम के छात्रों की रुकी हुई परीक्षाएं अगस्त में पूरी हो जाएंगी।

परीक्षाएं नहीं होने से बीएससी नर्सिंग, एमएससी, पीबीबीएससी वर्ष 2019-20 के लगभग 20 हज़ार विद्यार्थी, वर्ष 2020-21 के 30 हजार, वर्ष 2021-22 के 10 हज़ार और वर्ष 2022-23 के 10 हजार विद्यार्थी प्रभावित हो रहे थे।

साथ ही जीएनएम, एएनएम कोर्स के वर्ष 2020-21 और 2021-22 के 25 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं की मुख्य परीक्षाएं इसी वर्ष अक्टूबर तक संपन्न हो जाएंगी। पूरक परीक्षाओं का आयोजन जुलाई अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

आज भी कायम है... सर्कस का जादू

आज जब कंप्यूटर का जमाना है और हर चीज झटपट माउस के एक क्लिक पर उपलब्ध है, तब भी लाइव और एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज कारनामे देखने का मजा ही कुछ और है। और साथ में अगर हाथी, ऊंट, तोते, चिड़ियां और कुत्ते भी खेल दिखाने लगें तो आंखें आश्चर्य से खुली की खुली रह जाती हैं। जी हां, आज तुम्हें सर्कस की दुनिया में ले जा रहे हैं

सर्कस का नाम पढ़ते ही हमारे दिमाग में शेर-चीते-भालू के खेल से सजा शानदार टैंट में चल रहा खेल-तमाशा ध्यान आता है। लेकिन क्या तुम जानते हो कि कभी भारतीय लोगों के मनोरंजन का फिल्म के बाद सबसे लोकप्रिय माध्यम सर्कस अब करीब-करीब बिन जानवरों का खेल दिखाता है? आजकल दिल्ली में सर्कस चल भी रहा है। यह इन सर्कस चलाने वालों की हिम्मत ही है कि वह इस प्राचीन कला के माध्यम को हर तरह की परेशानी के बाद भी जीवित रखे हुए हैं। सर्कस चलाने वालों का कहना है कि सर्कस चलाना बहुत मेहनत का काम है। एक सर्कस में 200 से ज्यादा लोग काम करते हैं। सबके रहने-सहने और खानपान की जिम्मेदारी सर्कस कंपनी की होती है। सभी कलाकार नहीं होते। पर वे एक-दूसरे से ऐसे जुड़े होते हैं, जैसे मोतियों की माला। कुछ का काम होता है तंबू लगाना, उखाड़ना व उनकी देखभाल करना, तो कुछ लोग जानवरों की सेवा में लगे रहते हैं। खेल दिखाने वाले कलाकार तो होते ही हैं, परंतु उन्हें कब और क्या चाहिए और कई बार जब उनका शो खराब हो रहा होता है, तो कैसे जोकर व अन्य लोग उस शो को संभाल लेते हैं, यह देखते ही बनता है।

भारत में सर्कस

भारत में सर्कस के आदिगुरु होने का गौरव महाराष्ट्र के विष्णुपंत छत्रे को है। वह कुर्दूवडी रियासत में चाकरी करते थे। उनका काम था घोड़े पर करतब दिखाकर राजा को प्रसन्न करना। 1879 में वह अपने राजा जी के साथ मुंबई में 'रॉयल इटैलियन सर्कस' में खेल देखने गए। उसके मालिक ने भारतीयों का मजाक उड़ाते हुए कह दिया कि सर्कस में खेल दिखाना भारतीयों के बस की बात नहीं है। इस अपमान को छत्रे सह नहीं सके और उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मिलकर एक साल के भीतर ही भारत की पहली सर्कस कंपनी 'द ग्रेट इंडियन सर्कस' की नींव रखी और खेल दिखाया।

बाद में उनका साथ दिया केरल के कीलेरी कुन्नीकानन ने। वह भारतीय मार्शल आर्ट 'कालारी पायटू' के मास्टर थे। उन्होंने सर्कस के कलाकारों को ट्रेनिंग देने के लिए स्कूल खोला। बाद में जितने भी सर्कस भारत में शुरू हुए, उनके अधिकतर मालिक इसी स्कूल से सीखकर सर्कस जगत में आए। उन्हें भारतीय सर्कस का पितामह माना जाता है। भारत के मशहूर सर्कसों में ग्रेट रॉयल सर्कस (1909), ग्रैंड बॉम्बे सर्कस 1920 (यही सर्कस आज 'द ग्रेट बॉम्बे सर्कस' के नाम से जाना जाता है), ग्रेट रेमन सर्कस 1920, अमर सर्कस 1920, जेमिनी सर्कस 1951, राजकमल सर्कस 1958 और जम्बो सर्कस 1977 हैं।

शुरुआत सर्कस की

प्राचीन रोम में भी सर्कस हुआ करते थे। बाद में जिप्सियों ने इस खेल को यूरोप तक पहुंचाया। इंग्लैंड में फिलिप एशले ने पहली बार लंदन में 9 जनवरी 1768 को सर्कस का शो दिखाया था। उसने घोड़ों के साथ कुत्तों के खेल को भी सर्कस में स्थान दिया। पहली बार दर्शकों को हंसाने के लिए उसने सर्कस में जोकर को जोड़ा। इंग्लैंड के जॉन बिल रिकेट्स अमेरिका में 3 अप्रैल 1793 को अपना दल लेकर पहुंचे और वहां के लोगों को सर्कस का अद्भुत खेल दिखाया। रूस के सर्कस बहुत अच्छे माने जाते हैं और वहां 1927 में मास्को सर्कस स्कूल की स्थापना हुई।

सर्कस और जानवर

प्राचीन काल से ही सर्कस से जानवर जुड़े हैं। इनके खेल दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। परंतु सर्कस की कठिन दिनचर्या और ट्रेनिंग जानवरों के लिए बड़ी तकलीफदेह होती है। इसी को लेकर सर्कस में जानवरों के प्रदर्शन पर विरोध होने लगा और पेटा सहित अन्य संगठनों के प्रदर्शन के बाद कई देशों में जानवरों के सर्कस में प्रयोग पर पाबंदी लगने लगी। 1990 में भारत में सुप्रीम कोर्ट ने सर्कस में जंगली जानवरों के प्रयोग पर रोक लगा दी थी। तब से कुछ ही जानवर सर्कस में प्रयोग होते हैं और उन्हें भी बैन करने की मुहिम चलाई जा रही है। ग्रीस पहला यूरोपियन देश है, जिसने सर्कस में किसी भी जानवर का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाया है।

जोकर की जिंदगी

सर्कस में सबसे ज्यादा तालियां बजती हैं जोकरों के लिए। खासकर बच्चे इनका इंतजार करते रहते हैं कि ये कब मंच पर आएंगे। रंग-बिरंगे चेहरे, नकली नाक व बाल लगाकर सबको हंसाने वाले जोकर दो प्रोग्राम के बीच के टाइम में फिलर का काम करते हैं। इस समय में वो सबको खूब हंसाते हैं। कई लोगों की नकल करके, जोक सुनाके वे ऐसा करते हैं। कई बार तो इनके भी अलग कार्यक्रम होते हैं। आमतौर पर जोकर वे बनते हैं, जो शारीरिक विकास में पिछड़ जाते हैं और कद कम रह जाता है। बच्चों जैसे दिखने वाले ये जोकर कई बार साठ-साठ साल की उम्र तक के होते हैं। कई जोकर आम इनसान जितने भी होते हैं, पर तालियां तो छोटे कद वाले जोकर ही बटोर ले जाते हैं। इनका काम भी काफी मेहनतभरा होता है। शो के बाद ये काफी थक जाते हैं।

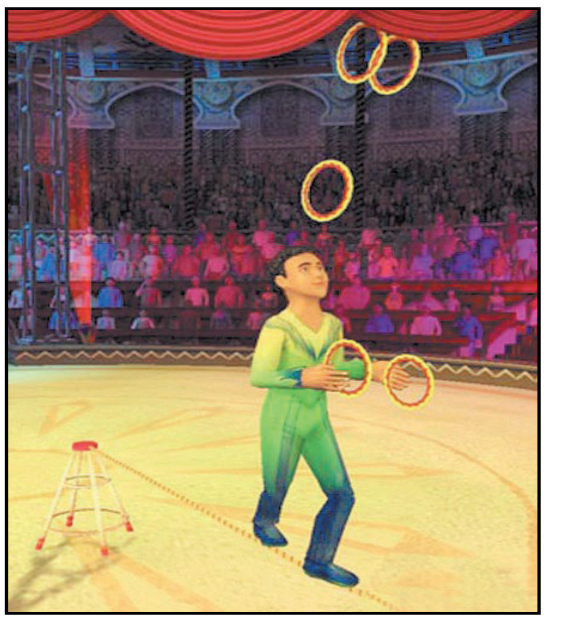

सर्कस पर किताबें

यूं तो सर्कस पर बहुत किताबें लिखी गई हैं, लेकिन अगर तुम्हें मौका मिले तो एनिड ब्लाइटन की सर्कस सीरीज पर लिखी तीन किताबों को जरूर पढ़िएगा। ये हैं-'मि. गिलियानोज सर्कस', 'हुर्राह फॉर द सर्कस' और 'सर्कस डेज एगेन'। हिंदी में संजीव का उपन्यास 'सर्कस' पढ़ सकते हैं। सर्कस में ट्रेनर रहे दामू धोत्रे की आत्मकथा वाली पुस्तक भी बहुत अच्छी है।

गौतम अडानी ने कहा, 'हिंडनबर्ग को हमें बदनाम करने के लिए डिज़ाइन किया गया था'

गौतम अडानी ने सोमवार को अपनी 32वीं एजीएम (वार्षिक आम बैठक) में बोलते हुए कहा कि हिंडनबर्ग की घटना को अडान एंटरप्राइजेज को बदनाम करने के लिए डिज़ाइन और षडयंत्र किया गया था।

नई दिल्ली | गौतम अडानी ने सोमवार को अपनी 32वीं एजीएम (वार्षिक आम बैठक) में बोलते हुए कहा कि हिंडनबर्ग की घटना को अडान एंटरप्राइजेज को बदनाम करने के लिए डिज़ाइन और षडयंत्र किया गया था। अडानी ने पिछले साल समूह के बारे में यूएस शॉर्ट सेलर द्वारा जारी की गई रिपोर्ट पर कहा 'यह हमें बदनाम करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। यह एक दोतरफा हमला था, हमारी वित्तीय स्थिति पर एक अस्पष्ट आलोचना थी।

उन्होंने आगे कहा कि अडानी समूह न केवल हिंडनबर्ग की घटना के बाद बच गया, बल्कि मजबूत होकर सामने आया, यह दर्शाता है कि कोई भी बाधा इसे कमजोर नहीं कर सकती।

हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट में अडानी समूह पर स्टॉक की कीमतों में हेरफेर करने और कर पनाहगाहों का अनुचित तरीके से उपयोग करने का आरोप लगाया, जिसके कारण गौतम अडानी के बंदरगाहों से बिजली बनाने वाले समूह में बिकवाली हुई।

निचले लेवल से शानदार वापसी के बाद शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, एफएमसीजी और आटो स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी

क्वांट म्यूचुअल फंड पर सेबी के रेड के चलते बाजार के दबाव में रहने की संभावना थी. सुबह गिरावट के साथ खुलने के बाद बाजार जल्दी रिकवर कर गया.

नई दिल्ली | सुबह गिरावट के साथ खुलने के बाद भारतीय शेयर बाजार में निचले लेवल से शानदार खरीदारी लौटी और हफ्ते के पहले कारोबारी सत्र में शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है. आईटी, एफएएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर्स से जुड़े स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी आई है. मिड कैप स्टॉक्स में भी खरीदारी देखने को मिली है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 131 अँकों के उछाल के साथ 77,341 अंकों पर क्लोज हुआ है. सेंसेक्स अपने दिन के लो से करीब 600 अंकों के उछाल पर बंद हुआ है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37 अंकों के उचाल के साथ 23,537 अंकों पर बंद हुआ है. निफ्टी भी अपने दिन के लो से 190 अंक ऊपर क्लोज हुआ है.

निवेशकों की संपत्ति में उछाल - आज बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है. बाजार बंद होने पर बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 435.74 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 434.48 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.26 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

सेक्टर का हाल - आज के ट्रेड में ऑटो, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, बैंकिंग, रिटेल एस्टेट और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है जबकि आईटी, मेटल्स, मीडिया, कमोडिटीज, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुआ. आज के सत्र में मिडकैप स्टॉक्स में खरीदारी रही जबकि स्मॉलकैप स्टॉक्स गिरकर बंद हुआ है. आज 4155 स्टॉक्स की ट्रेडिंग हुई जिसमें 2109 तेजी के साथ और 1886 गिरकर बंद हुए. 419 स्टॉक्स अपर सर्किट के साथ क्लोज हुआ जबकि 237 में लोअर सर्किट लगा है. बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में 19 तेजी के साथ तो 11 गिरकर क्लोज हुआ है.

चढ़ने-गिरने वाले स्टॉक्स - आज के कारोबार में महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.69 फीसदी, पावर ग्रिड 2.23 फीसदी, सन फार्मा 1.93 फीसदी, नेस्ले 1.35 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.14 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.03 फीसदी, आईटीसी 0.87 फीसदी, एनटीपीसी 0.85 फीसदी, टाइटन 0.67 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.52 फीसदी, भारती एयरटेल 0.42 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.40 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि इंडसइंड बैंक 2.37 फीसदी और अडानी पोर्ट्स 1.72 फीसदी गिरकर क्लोज हुआ है.

बजट पेश होने के बाद भारतीयों बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश पकड़ेगी रफ्तार, ग्लोबल निवेशकों में भारत को लेकर बढ़ा उत्साह

ने भारत को लेकर अपने इक्विटी स्ट्रैटजी में वैश्विक निवेशकों के साथ चर्चा के बाद कहा है कि भारत में भारी विदेशी पोर्टफोलियो इंवेस्टमेंट इंफ्लो आने वाला है.

नई दिल्ली | 2024 की दूसरी छमाही जुलाई से दिसंबर के दौरान देश में विदेशी पोर्टफोलियो इंवेस्टमेंट (FPI) इंफ्लो में जोरदार उछाल देखने को मिल सकता है. खासतौर से अगले महीने जुलाई के तीसरे हफ्ते में केंद्र में नई सरकार के पहले बजट पेश होने के बाद सरकार की नीतियों को लेकर स्थिति साफ हो जाएगी उसके बाद भारत में एफपीआई इंफ्लो के बढ़ने की उम्मीद है. जेफ्फरीज ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर ग्लोबल निवेशकों से मिले फीडबैक के आधार पर अपने स्ट्रैटजी नोट में ये बातें कही है.

निवेशकों को बजट का इंतजार - जेफ्फरीज ने अपने स्ट्रैटजी नोट में कहा, हाल ही में अमेरिका में हुए रोडशो में 50 से ज्यादा निवेशकों के साथ हुए चर्चा के बाद हम ये नतीजे पर पहुंचे हैं कि 2024 की दूसरी छमाही में बजट पेश होने के बाद सरकार की नीतियों को लेकर स्पष्टता सामने आने के बाद भारत में एफपीआई इंफ्लो रफ्तार पकड़ेगी. नोट के मुताबिक इमर्जिंग मैनडेट्स के अलावा कई ग्लोबल और इंटरनेशनल इंवेस्टर्स रियल एस्टेट , इंफ्रा , कैपिटल गुड्स , एसओई , डिस्ट्रीशनरी कंजम्प्शन जैसे नए आइडिया में निवेश को लेकर गहरी रुचि दिखा रहे हैं. जेफ्फरीज के मुताबिक एफपीआई रजिस्ट्रेशन में हो रही देरी के चलते निवेशक एडीआर में निवेश पर विचार कर रहे हैं जो कि एचडीएफसी और आईसीआसीआई के लिए बेहतर है.

फेड के ब्याज दर घटाने के बाद बढ़ेगा FPI इंफ्लो - जेफ्फरीज ने कहा, अमेरिका में हुई इंवेस्टर्स मीटिंग ग्लोबल और इंटरनेशनल (गैर-अमेरिकी) निवेशकों के भारत में निवेश को लेकर जिज्ञासा को दर्शाता है. मध्यम अवधि में भारत के 7 फीसदी से ज्यादा जीडीपी ग्रोथ रेट और 5 ट्रिलियन साइज की बड़ी इकोनॉमी बनने के आसार ने भारत में निवेशकों के लिए अवसर को बढ़ा दिया है. स्ट्रैटजी नोट के मुताबिक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के संभावित ब्याज दरों में कटौती भारत में एपपीआई इंफ्लो में तेजी के लिए ट्रिगर का काम करेगा. रिपोर्ट के मुताबिक भारत का महंगा वैल्यूएशन निवेशकों के बीच चिंता का कारण है लेकिन घरेलू रिटेल निवेशकों के इंफ्लो में कमी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए भारत में निवेश के बड़े अवसर पैदा कर सकता है.

कंजम्प्शन से जुड़े थीम्स पर जोर - वैश्विक और इंटरनेशनल फंड्स के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक बड़े बैंकों, आईटी और कंजम्प्शन जैसे सेक्टर्स के हटकर दूसरे सेक्टर्स में निवेश की संभावना को तलाश रहे हैं. नोट के मुताबिक सरकार की ओर से इंफ्रास्ट्रक्चर पर किए जा रहे खर्च के अलावा एफपीआई के बीच रियल एस्टेट सेक्टर को लेकर स्वीकार्यता बढ़ी है. एफपीआई रेसिडेंशियल रियल एस्टेट, एयरपोर्ट्स, होटल्स और मॉल्स में निवेश करने को लेकर अपनी रुचि दिखा रहे हैं. रिपोर्ट में कहा गया कि गोदरेज प्रॉपर्टीज , जीएमआर एयरपोर्ट्स , इंडियन होटल्स और अपोलो हॉस्पिटल्स निवेशकों के खपत से जुड़े कैपिटल एक्सपेंडिचर नामों में पंसदीदा स्टॉक्स है.

मंगलवार का सत्र बाजार के लिए मंगल साबित, बैंकिंग स्टॉक्स की बदौलत रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

सेक्टर्स के स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है केवल बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी रही इसके बावजूद बाजार लाइफटाइम हाई पर बंद हुआ है.

नई दिल्ली | बैंकिंग शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में एक बार फिर ऐतिहासिक हाई पर क्लोज हुआ है. बीएसई सेंसेक्स पहली बार 78000 के पार जाकर क्लोज हुआ है तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी पहली बार 23,700 के आंकड़े के पार जाकर बंद हुआ है. आज के ट्रेड में निफ्टी बैंक में 1000 अंकों से ज्यादा का उछाल देखने को मिला और निफ्टी बैंक भी रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 720 अंकों के उछाल के साथ 78,054 अंकों पर बंद हुआ है तो निफ्टी 185 अंकों के उछाल के साथ 23,722 पर क्लोज हुआ है.

सेक्टरोल अपडेट - आज के ट्रेड में सबसे बड़ी बैंकिंग स्टॉक्स में देखने को मिली है. निफ्टी बैंक के 12 में से 9 शेयर तेजी के साथ क्लोज हुए जिसके चलते इंडेक्स 902 अंकों के उछाल के साथ 52,606 अंकों पर क्लोज हुआ है. इसके अलावा आईटी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी देखने को मिली है. जबकि ऑटो, एफएमसीजी, मेटल्स, रियल एस्टेट, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरकर बंद हुए. मिडकैप स्टॉक्स में गिरावट के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स गिरकर बंद हुआ है जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में मामूली तेजी देखने को मिली है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 14 गिरकर बंद हुए. आज के सत्र में 4000 शेयरों में बीएसई में कारोबार हुआ है जिसमें 1805 स्टॉक्स तेजी के साथ तो 2077 गिरकर बंद हुए. 329 स्टॉक अपर सर्किट और 201 लोअर सर्किट पर बंद हुए.

यूरोपीय संघ ने माइक्रोसॉफ्ट पर प्रतिस्पर्धा नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया

यूरोपीय आयोग ने कहा कि उसे चिंता है कि अमेरिकी तकनीकी दिग्गज टीम्स को ऑफिस 365 और माइक्रोसॉफ्ट 365 जैसे लोकप्रिय उत्पादों के साथ जोड़कर प्रतिस्पर्धा को बाधित कर रही है। आयोग के शीर्ष प्रतिस्पर्धा रोधी प्रवर्तक ने कहा कि उसे संदेह है कि माइक्रोसॉफ्ट ने ग्राहकों को सॉफ्टवेयर खरीदते समय टीम्स के लिए विकल्प न देकर उसे वितरण लाभ दिया।

नई दिल्ली | यूरोपीय संघ (ईयू) के नियामकों ने माइक्रोसॉफ्ट पर संभवतः दुर्भावनापूर्ण व्यवहार को अपनाने का आरोप लगाया है। नियामक ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने अपने व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले व्यावसायिक सॉफ्टवेयर 'ऑफिस' से टीम्स मैसेजिंग और वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग ऐप को जोड़कर प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन किया है।

यूरोपीय आयोग ने कहा कि उसे चिंता है कि अमेरिकी तकनीकी दिग्गज टीम्स को ऑफिस 365 और माइक्रोसॉफ्ट 365 जैसे लोकप्रिय उत्पादों के साथ जोड़कर प्रतिस्पर्धा को बाधित कर रही है। आयोग के शीर्ष प्रतिस्पर्धा रोधी प्रवर्तक ने कहा कि उसे संदेह है कि माइक्रोसॉफ्ट ने ग्राहकों को सॉफ्टवेयर खरीदते समय टीम्स के लिए विकल्प न देकर उसे वितरण लाभ दिया। आयोग ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ बदलाव किए हैं, लेकिन ये उसकी चिंताओं को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं और उसे प्रतिस्पर्धा बहाल करने के लिए और अधिक करने की जरूरत है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)